वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 | अंक : 310 | शुक्रवार 8 मार्च 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

आप सभी को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

''स्थानीय उत्पाद खरीदकर वॉकल फोर लोकल को दें बढ़ावा''

प्रधानमंत्री मोदी और राज्य सरकार धार्मिक स्थलों के विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए संकल्पित: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 58 विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। 62.58 करोड़ रुपए से प्रदेश के 3 प्रमुख आध्यात्मिक स्थलों के विकास कार्य भी शामिल

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर से 6400 करोड़ रुपए की 58 विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें स्वदेश दर्शन और प्रसाद योजना के तहत प्रदेश में भी 62.58 करोड़ रुपये की लागत के तीन प्रमुख आध्यात्मिक स्थानों पर हुए विकास कार्यों का लोकार्पण और शुभारंभ किया गया। इस राशि से सांवलिया सेठ मंदिर में विकास कार्य तथा करणी माता मंदिर एवं केशोरायपाटन में आध्यात्मिक अनुभव केन्द्र के विकास कार्य कराए गए हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं से देश में पर्यटन क्षेत्र का विकास होगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने देश में 40 से अधिक ऐसे स्थानों की पहचान की है जिन्हें पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने देखो अपना देश पीपुल्स च्वाइस अभियान का शुभारंभ करते हुए कहा कि इस अभियान का उद्देश्य विदेश में रहने वाले लोगों को भारत आने के लिए प्रेरित करना है। प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीयों से अपील की कि वे अपने विदेशी मित्रों को भारत आने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर सहित देश के विभिन्न स्थानों को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा दिया जाए, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़े। मोदी ने वॉकल फोर लोकल पर जोर देते हुए देशवासियों से आह्वान किया कि कहीं भी घूमने जाएं तो स्थानीय उत्पाद अवश्य खरीदें। इस अवसर पर मंडफिया (चित्तौड़गढ़), केशोरायपाटन (बूंदी) तथा बीकानेर में आयोजित समारोहों को वर्चुअल रूप से सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सनातन धर्म, सभ्यता और सांस्कृतिक परम्परा का पूरी दुनिया में फिर से मान बढ़ा है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक तरफ राष्ट्रीय राजमार्ग बन रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पुरातन आध्यात्मिक स्थलों का पुनरूद्धार भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के 20 मन्दिरों और आस्था धामों के विकास कार्यों के लिए आगामी वर्ष में 300 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया है। इससे पुष्कर के घाटों का विकास, ब्रज चौरासी परिक्रमा मार्ग, भरतपुर में पर्यटकों हेतु आधारभूत सुविधाओं का विकास, तनोट माता मंदिर जैसलमेर आदि का विकास करवाया जाएगा। साथ ही सरकार दूसरे राज्यों के साथ मिलकर पर्यटन को बढ़ावा देने वाली योजनाओं पर भी काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार केवल घोषणाएं करने में विश्वास रखती थी, इन घोषणाओं को धरातल पर लाने की उनके पास कोई योजना नहीं थी। लेकिन अब पर्यटन संबंधी घोषणाओं को शीघ्र पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर केशोरायपाटन में आयोजित कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर, पूर्व विधायक चंद्रकांता मेघवाल, मंडफिया में आयोजित कार्यक्रम में सांसद सीपी जोशी, विधायक अर्जुन लाल जीनगर, बीकानेर में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत एवं विधायक अंशुमान सिंह भाटी सहित जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

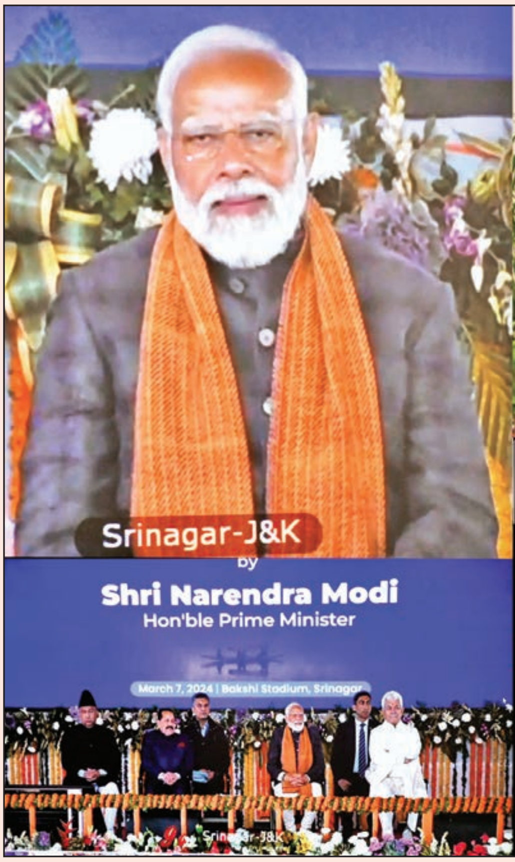

प्रदेश सरकार धार्मिक पर्यटन को दे रही बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जयपुर से रामलला के दर्शन हेतु 1 फरवरी, 2024 से अयोध्या के लिये विशेष विमान सेवा प्रारंभ की गई है। साथ ही, राज्य के सात संभाग मुख्यालयों जयपुर, भरतपुर, बीकानेर, उदयपुर, जोधपुर, कोटा, अजमेर से अयोध्या हेतु राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बस सेवा भी प्रारंभ की गई है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना के अंतर्गत अयोध्या में 3,000 तीर्थयात्रियों को राम मंदिर के दर्शन और करीब 5600 तीर्थयात्रियों को रामेश्वरम की यात्रा करवाई जा चुकी है। शर्मा ने कहा कि स्वदेश दर्शन योजना में कृष्णा सर्किट परियोजना के तहत जयपुर में गोविंददेव जी तथा सीकर में खाटूश्याम जी और राजसमंद के नाथद्वारा में 77 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए गए हैं। केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय ने आध्यात्मिक सर्किट परियोजना के तहत सालासर बालाजी, मेंहदीपुर बालाजी, सांवलिया सेठ जी मंदिर, सामोद बालाजी, घाट के बालाजी, बंधे के बालाजी, विराटनगर, कामां क्षेत्र एवं मचकुंड में 75 करोड़ रुपये व्यय कर विकास कार्य करवाए हैं।

मुनिसुव्रतनाथ भगवान का निर्वाण कल्याणक महोत्सव

आगरा. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री 108 चैत्यसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं श्री अग्रवाल दिगंबर जैन महासभा एवं सकल दिगम्बर जैन समाज मोती कटरा के तत्वावधान में श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक दिवस के पावन अवसर पर मुनिसुव्रतनाथ विधान एवं निर्वाण लाडू महोत्सव का आयोजन हुओ यह आयोजन आगरा के मोती कटरा स्थित श्री अग्रवाल दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर में बडे.ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। भक्तों ने सर्वप्रथम स्वर्ण कलशों से मुनिसुव्रतनाथ भगवान का अभिषेक कर वृहद शांतिधारा की। भक्तों ने विधानाचार्य सुनील जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में अष्ट द्रव्य के साथ संगीतमय श्री मुनिसुव्रतनाथ विधान किया। विधान में मौजूद सभी भक्तों ने अपने हाथों में चंबर लेकर नृत्य कियो इसके बाद श्रावक-श्राविकाओं ने निर्वाण कांड का पाठ पढ़कर प्रभु मुनिसुव्रतनाथ भगवान के समक्ष निर्वाण लाडू अर्पित किया।इस दौरान भक्तों का उत्साह श्रीजी के प्रति देखते ही बना रहा था। इस अवसर पर मंदिर के अध्यक्ष राकेश जैन पदेर्वाले,अनिल जैन,विनोद जैन,शीतल प्रसाद जैन, अमित जैन,विकास जैन संजीव जैन,अनंत जैन,विवेक जैन योगेश जैन,विजय जैन, वरिजय जैन,शुभम जैन छोटू समस्त मोती कटरा सकल जैन समाज के लोग मौजूद रहे। **-रिपोर्ट छोटू जैन**

मुनिसुव्रतनाथ भगवान का मनाया मोक्षकल्याणक

जयपुर. शाबाश इंडिया। फाल्गुन कृष्णा द्वादशी को मुनिसुव्रतनाथ भगवान के मोक्षकल्याणक दिवस पर महल योजना जगतपुरा स्थित जैन मंदिर में उत्सव का माहौल रहा। समन्वयक अभिषेक सांघी ने बताया की सम्मेद शिखरजी की निर्झर कूट से अपनी कर्पूर समान देह को त्याग कर सिद्ध शिला पर सुशोभित 20 वे तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ, सम्पूर्ण जगत के लिए मुक्ति का मार्ग प्रशस्त कर के गए।युवा मंडल के नमन, धीरेन्द्र, रचित, ऋषभ, आदिश ने इस अवसर पर झांकी प्रदर्शन करते हुए श्रद्धालुओं को निर्वाण भूमि पर लाडू चढाने का स्वर्णिम आभास करवाया।इस से पूर्व प्रभु के अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, बधाई गान द्वारा भक्ति रस में सभी सरोबार हुए।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य मे दो दिवस का 'शक्ति ऑफ वीमेन' कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। महिला अध्ययन केंद्र राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य मे दो दिवस का ''शक्ति ऑफ वीमेन'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें यूनिवर्सिटी कैम्पस में अहं ध्यान योग की प्रदर्शनी एवं स्टॉल लगायी गई। जहां पर मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज द्वारा रचित ग्रंथों और अहं ध्यान योग की प्रक्रिया की जानकारी वहाँ पर उपस्थित जन समुदाय को दी गई। श्रीमती अंजलि, रुचिका, भारती, तनु एवं श्री दुर्गेश जी जैन द्वारा अर्हम ध्यान योग से संबंधित विभिन्न खेल खिलाए गए एवं पारितोषिक वितरण किए गए जिसकी सभी महिलाओं एवं महानुभावों द्वारा भूरी-भूरी प्रशंसा की गई एवं करतल ध्वनि से स्वागत किया गया।

एंबीशन किड्स-स्पोर्ट्स डे फोर लर्निंग मैनेजमेंट स्किल्स

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रताप नगर श्योपुर रोड स्थित एंबीशन किड्स में एनुअल स्पोर्ट्स डे सेलिब्रेशन किया गया जिसमें सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया । कार्यक्रम की शुरूवात में प्राचार्या डॉ अलका जैन ने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन के सर्वांगीण विकास हेतु खेलकूद आवश्यक है। इस प्रकार के खेलकूद का आयोजन करने का उद्देश्य विद्यार्थियों में विभिन्न प्रकार की मैनेजमेंट स्किल्स डेवलप करना भी है। उपाचार्य अनीता जैन ने बताया की इस एनुअल डे पर विभिन्न प्रकार की रेसेज का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें हर्डल रेस, ग्लास बैलेंसिंग रेस, लेमन स्पून रेस, लेग टॉय कपल रेस, बैलून टेगिंग एंड रन रेस , बॉल थ्रो रेस, टोरटोइस रेस, लॉयन रेस, फ्रॉग रेस, हम्टी - डम्टी रेस आदि प्रमुख है। हर्डल रेस के द्वारा एक व्यक्ति में कार्य के प्रति संवेदनशीलता रूपी गुणों का विकास हो सकता है , वहीं ग्लास इन हैड बैलेंस रेस में व्यक्ति के आत्म संयम (पेशेंस) का गुण देखा जा सकता है।लेमन स्पून रेस में व्यक्ति के कॉन्फिडेंस लेवल को परखा जा सकता है , तो वही लैग - टॉय कपल रेस में दो व्यक्तियों के मध्य आपसी सामंजस्य , तालमेल , सूझ बूझ तथा एक दूसरे के प्रति सहयोग की भावना को बखूबी परखा जा सकता है।इसी प्रकार अन्य रेसिस के माध्यम से एक लक्ष्य को आत्मविश्वास के साथ विभिन्न स्ट्रेटिजी अपनाकर समय पर किस प्रकार से पूर्ण किया जा सकता है आदि स्किलस डवलप की जा सकती है। इस कार्यक्रम का संचालन सुनीता गुप्ता एवं नयना खण्डेलवाल ने संयुक्त रूप से किया ।इसके पश्चात प्रत्येक रेस से विजेता तथा दो उपविजेताओं का चयन किया गया तथा सभी फाइनल राउण्ड विनर्स को सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्था अध्यक्ष अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त होम्योपेथ डॉ. एम एल जैन मणि ने सभी टीचर्स एवं स्टाफ मैंम्बर्स को इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया एवं निदेशक डॉ मनीष जैन ने सभी विद्यार्थियों को एन्वल एग्जाम्स के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की तथा विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की प्रार्थना की।

शक्ति, सामर्थ्य और सृजनशीलता का प्रतीक है आज की नारी

महिला दिवस पर विशेष

उदयपुर। एक के घर की खिदमत की और एक के दिल से मोहब्बत की, दोनों फर्ज निभाकर उस ने सारी उम्र इबादत की... पिता के घर में बेटी और पति के घर में पत्नी के रूप में एक औरत के महत्व को बयां करता ये शेर, बेहद खूबसूरत है। घर-आंगन से लेकर नील गगन तक का सफर तय करने वाली नारी ने अपने योगदान से न केवल खुद को बदला है, बल्कि डॉक्टर, इंजीनियर और टीचर के रूप में अपने देश को भी उन्नति के मार्ग पर अग्रसर किया है। कभी सिर्फ़ किचन तक सीमित रहने वाली नारी आज पुरूषों के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर देश भी चला रही है और सैनिक बनकर देश की रक्षा भी कर रही है। शक्ति, सामर्थ्य और सृजनशीलता की प्रतीक आज की प्रगतिशील नारी इस महिला दिवस पर क्या कहती है, आइए जानते हैं-

डॉ. रिमझिम गुप्ता, डायरेक्टर, वीआईएफटी

इसमें कोई संदेह नहीं कि इस पुरूष प्रधान समाज के बीच महिलाओं ने सदियों के संघर्ष और मशक्कतों के साथ अपनी एक सशक्त एवं सुदृढ स्थिति बनाई है और देश की प्रगति में उनका भी उतना ही योगदान है जितना कि तथाकथित हमारे पुरूष प्रधान समाज का। किन्तु ये भी सच है कि आज के इस प्रतिस्पर्धा वाले युग में ये दोनों ही एक-दूसरे के पूरक हैं। क्योंकि शिव के बिना पार्वति, विष्णु के बिना लक्ष्मी और राम के बिना सीता का कोई अस्तित्व नहीं है। मतलब यही है कि युग चाहे कोई भी हो, जब ये दोनों शक्तियां मिलकर सृजन कर सकती हैं तो इनके बीच का अलगाव विध्वंस को भी आमन्त्रित कर सकता है। इसलिए घर, समाज और देश की उन्नति के लिए आवश्यक है कि एक दूजे के साथ मिलकर चलें और एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें।

पूर्णिमा शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर एंड फैशन डिजायनर, वीआईएफटी

निस्संदेह आज के इस विकसित समाज में महिलाओं ने अहम भूमिका निभाई है। वे घरेलू कामों के अलावा विभिन्न क्षेत्रों में भी अपने कौशल का प्रदर्शन करती हैं, जैसे शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों में उनका योगदान बेहद खास है। आज का ये दिन महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने का एक अवसर है।

ऋतु बारबर, डिजीटल मार्केटिंग एक्सपर्ट, वीआईफटी

ये महिलाओं की उपलब्धियों को सलाम करने का दिन हैं। इसका मकसद महिलाओं के अधिकारों को लेकर जागरूकता फैलाने का भी है, आज की महिलाआत्मनिर्भर बनकर हर क्षेत्र में मिसाल कायम कर रही है। किन्तु इतनी उन्नति के बाद भी कई बार उसे समाज में लैंगिक असमानता का व्यवहार झेलना पडता है, जो कि सही नहीं है। इस दिन महिलाओं के प्रति समाज में व्याप्त भेदभाव और असमानता को खत्म करने का संकल्प लिया जाना आवश्यक है।

घर-आंगन से लेकर नील गगन तक का सफर तय करने वाली नारी ने अपने योगदान से न केवल खुद को बदला है, बल्कि डॉक्टर, इंजीनियर और टीचर के रूप में अपने देश को भी उन्नति के मार्ग पर अग्रसर किया है।

ज्योति शर्मा, इंटीरियर डिजाइनर, वीआईएफटी

जब मैं महिला शब्द के बारे में सोचती हूं तो सबसे पहली तस्वीर जो मेरे दिमाग में आती है, वह है मेरी मां। उनकी छाया में पलते-बढ़ते मैंने सीखा है कि हम जीवन के हर संकट से कैसे उबर सकते हैं। उन्होंने मुझे सिखाया कि कैसे किसी को अपना जीवन अपने प्रियजनों को समर्पित करना चाहिए। उन्होंने मुझे सिखाया कि अपने परिवार को एक साथ रखकर जीवन के हर क्षेत्र में कैसे आगे बढ़ना है। वह मेरी ताकत है। जब हम महिला सशक्तिकरण के बारे में बात करते हैं तो इसका मतलब महिलाओं की पुरुषों से तुलना करना नहीं है, बल्कि यह वास्तव में घर, कार्यस्थल, जिम आदि में समान अधिकार देना है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि महिलाएं घर और अपने कार्यालयों का प्रबंधन बहुत अच्छे से कर रही हैं। महिला सशक्तिकरण का मतलब पुरुषों से अधिक की अपेक्षा करना नहीं, बल्कि हम चाहते हैं कि हमारे साथ भी उनके जैसा ही व्यवहार किया जाए।

उर्मिला, Office executive & Diva Lakecity 1st runner-up 2023, वीआईएफटी।

नारी का अस्तित्व जो सबसे शक्तिशाली है,
जमीन पर रहकर भी जो आसमां पर भारी है,
जिसके होने से चलती ये दुनिया सारी है,
ईश्वर भी खुद उसके आभारी हैं,
हर दर्द सहकर भी जो मुस्कुराना जाने,
मुश्किलों में भी जो कभी हार न माने,
उसके हौंसलों की है बहुत ऊंची उड़ान,
उसके आगे सर झुकाता है ये आसमान।

ओमपाल सीलन,
फिल्म जर्नलिस्ट एंड क्रिटिक,
वीआईएफटी, उदयपुर।

वेद ज्ञान

सृष्टि का संचालन प्रेम से...

जीवन मन की भावनाओं से संचालित होता है। मन की सद्भावनाएं सारे दुखों, अभावों और विफलताओं को नकारते हुए आनंद की अवस्था का निर्माण करती हैं। इससे जीवन की गति बनी रहती है। किसी का भी जीवन सदा सुखों से भरा और निर्बाध नहीं रहा। सभी के जीवन में बाधाएं आती हैं। दुखों से सामना होता है और विफलताएं घेरती हैं। कोई मनुष्य भला है। धर्म मार्ग पर चल रहा है। परोपकार कर रहा है। बावजूद इसके उसे कुछ मामलों में कष्ट सहना पड़ सकता है, किंतु अधर्मी और सच के मार्ग पर चलने वाले शख्स के जीवन में मूल अंतर है। अधर्मी मनुष्य दुखों से घबराया, डरा और टूटा हुआ होता है, जबकि भला व्यक्ति दुखों को सहना और जीवन में संतुलन बनाए रखना जानता है। भय, आशंका और निराशा जैसे भाव अपनी शक्ति पर विश्वास न रखने वालों के लिए बने हैं। सच धारण करने वाला अपने सामर्थ्य के साथ परमेश्वर की अनंत शक्ति को जीवन का आधार बनाता है और उसके न्याय पर विश्वास रखकर निर्भय और निश्चिंत हो जाता है। जीवन में आए दुख उसे ईश्वर के न्याय का अंश लगते हैं, जिन्हें सहर्ष स्वीकार करने में उसे अपना हित दिखता है। इस कारण बड़े से बड़ा दुख भी उसे तिल मात्र लगता है और उसके मन की अवस्था को प्रभावित नहीं कर पाता। मन शुद्ध भावनाओं से भरा हो और ईश्वर के विश्वास पर टिका हो, तो व्यक्ति सफलताएं मिलने के बावजूद घमंडी नहीं होता और विफलताएं भी उसे हताश नहीं करतीं। ईश्वर से जुड़ना ही उसके लिए सबसे बड़ा सुख और उपलब्धि है। राजा से रंक और रंक से राजा बना देना तो ईश्वर का खेल है। राजा बन कर भी ईश्वर की इच्छा का पालन करना है और रंक बनकर भी उसकी आज्ञा को मानना है। परमात्मा की आज्ञा के पालन में ही उसकी प्रसन्नता निहित होती है। सांसारिक दुख उसके लिए अर्थहीन हो जाते हैं। यदि मन में परमात्मा के प्रति प्रेम उमड़ रहा है, तो मौसम की भीषण गर्मी उसे तपा नहीं पाती और घोर शीत में भी वह अप्रभावित रहता है। उसके मन में सदा बसंत जैसा मौसम बना रहता है और शुभ विचारों के पुष्प खिले होते हैं। संसार में कितने ही महापुरुष हुए जिन्होंने अधर्मियों और अत्याचारियों द्वारा दिए गए भारी दुख हंसते हुए सहे और अपने मार्ग पर अटल रहे।

संपादकीय

वन्यजीव संरक्षण को लेकर सरकारें कितनी गंभीर?

वन्यजीव संरक्षण को लेकर सरकारें और इससे जुड़े महकमे कितने गंभीर हैं, इसका अंदाजा उत्तराखंड के जिम कार्बेट बाघ आरक्षित क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई और अवैध निर्माण से लगाया जा सकता है। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने तत्कालीन वनमंत्री और उप-वन अधिकारी को कड़ी फटकार लगाई है। गौरतलब है कि जिम कार्बेट में वनमंत्री रहते हरख सिंह रावत ने चिड़ियाघर से बाघ लाकर बसाने के नाम पर आरक्षित क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई कराई और अनावश्यक निर्माण शुरू करा दिए। उसमें वनमंत्री के चहेते तत्कालीन उप-वन अधिकारी और दूसरे अफसर भी शामिल थे। अदालत ने उस इलाके में सफारी यानी सैर-सपाटे पर रोक लगाते हुए सीबीआइ से तीन महीने के भीतर वहां की स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। वन्यजीव संरक्षण कानून के मुताबिक वन क्षेत्रों में किसी भी तरह की अवैध गतिविधि के खिलाफ कड़े दंड के प्रावधान हैं। मगर विचित्र है कि उत्तराखंड के तत्कालीन वनमंत्री ने जिम कार्बेट में सारे कानूनों को ताक पर रख दिया। हालांकि जिम कार्बेट का मामला न तो नया है, न अकेला। देश में शायद ही ऐसा कोई अभयारण्य, वन्यजीव संरक्षण क्षेत्र या विशेष पशुओं के लिए आरक्षित क्षेत्र हो, जहां अतिक्रमण, व्यावसायिक गतिविधियां चलाने और पेड़ों की कटाई आदि की शिकायतें न मिलती रही हों। दरअसल, सैलानियों को आकर्षित करने के मकसद से बहुत सारे अभयारण्यों, वन्यजीव आरक्षित क्षेत्रों पर व्यवसायियों की नजर लगी रहती है। वे सरकार से नजदीकी गांठ कर उन क्षेत्रों में रहने, ठहरने, मनोरंजन, सैर-सपाटे वगैरह के सरंजाम जुटाने का प्रयास करते देखे जाते हैं। अनेक अभयारण्यों के सुरक्षित क्षेत्रों के भीतर अतिथि गृह, मोटेल, रेस्तरां, सफारी, मनोरंजन की जगहें बना ली गई हैं। राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, असम आदि के अभयारण्यों में अतिक्रमण की अनेक पुरानी शिकायतें हैं। उन पर विवाद उठते रहे हैं, अदालत में भी उन्हें हटाने की गुहार लगाई जाती रही, मगर वन अधिकारियों की कृपा से उनके कारोबार पर आंच नहीं आ पाती। जिम कार्बेट के बाहरी क्षेत्र में भी ठहरने, मनोरंजन और खानपान की ऐसी कई जगहें बना ली गई हैं। ऐसी गतिविधियों से उन इलाकों में तेज शोर, रोशनी और वाहनों आदि की आवाजाही के चलते न केवल वन्यजीवों की स्वाभाविक दिनचर्या बाधित होती, बल्कि वे हर समय भयभीत रहते हैं। उनके खानपान, प्रजनन आदि की आदतें बदल जाती हैं। इस तरह अभयारण्य उनके लिए भयारण्य बन जाता है। इससे वन्यजीव संरक्षण का मकसद भी नहीं सध पाता। वन्यजीव संरक्षण के लिए आरक्षित क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियां चलाने और उनमें लोगों की आवाजाही बढ़ने से वन्यजीवों का शिकार और उनके अंगों का अवैध कारोबार करने वालों की पैठ भी आसान हो जाती है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

नरमी के संकेत

आर्थिक विकास दर ऊंची रहने के बावजूद कुछ क्षेत्रों का प्रदर्शन अपेक्षित रूप से उत्साहजनक नजर नहीं आता। सेवा क्षेत्र का प्रदर्शन भी जनवरी माह की तुलना में फरवरी में सुस्त दर्ज हुआ। इसकी वजह कारोबारी गतिविधियों, बिक्री और नौकरियों में नरमी बताई जा रही है। हालांकि कहा जा रहा है कि जब सूचकांक पचास से नीचे आ जाता है, तब चिंता की बात मानी जाती है। फरवरी में सेवा क्षेत्र का सूचकांक 60.6 दर्ज हुआ। इस क्षेत्र में अभी मजबूती की संभावनाएं जताई जा रही हैं। दरअसल, सेवा क्षेत्र का जीडीपी में योगदान महत्त्वपूर्ण माना जाता है। इसलिए कि इस क्षेत्र में बैंकिंग, बीमा, दूरसंचार, आतिथ्य, पर्यटन आदि से जुड़ी गतिविधियां शामिल होती हैं। इस क्षेत्र में राजस्व और रोजगार के अवसर भी अधिक होते हैं। इसमें ताजा सुस्ती की बड़ी वजह मांग में आई कमी बताई जा रही है, हालांकि विदेश से कारोबार को संतोषजनक माना जा रहा है। फिर भी इससे अर्थव्यवस्था के कुछ असंगत पहलू रेखांकित होते हैं। एक तरफ तो राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के सर्वेक्षण में बेरोजगारी दर घट कर 3.1 फीसद पर पहुंचने का आंकड़ा सामने आया है, दूसरी तरफ सेवा क्षेत्र में सुस्ती के पीछे नौकरियों की कमी को बताया जा रहा है। यह उजागर तथ्य है कि सेवा क्षेत्र में नरमी रहने का सीधा असर रोजगार पर पड़ता है। कंपनियां अपना घाटा पूरा करने के लिए छंटनी की प्रक्रिया अपनाने लगती हैं। फिर उद्योग क्षेत्र का प्रदर्शन भी चालू वित्तवर्ष की तीसरी तिमाही में उत्साहजनक नहीं देखा गया। कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन निराशाजनक बना हुआ है। सेवा क्षेत्र के बल पर विकास दर ऊपर का रुख बनाए हुई है। अगर उसमें भी सुस्ती बनी रही, तो इसे उत्साहजनक नहीं कहा जा सकता। जब केवल कुछ क्षेत्रों के बल पर विकास दर ऊंची दर्ज होती है, तो उसमें थोड़ा-सा भी असंतुलन खतरनाक साबित होता है। इसीलिए भारतीय रिजर्व बैंक ने अभी बाजार में संतुलन बनाए रखने के लिए बैंक दरों के मामले में अपने हाथ रोक रखे हैं। मगर सेवा क्षेत्र के डगमगाने से एक बार फिर रेखांकित हुआ है कि संतुलित विकास दर के लिए अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है।

धर्म की पाल बांधने से जीवन संवरता है और आत्मा को मोक्ष की प्राप्ति : प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज

सुनिल चपलोत.शाबाश इंडिया

लुणावा। गुरूवार धर्म की पाल बांधने से जीवन संवरता है और आत्मा को मोक्ष लुणावा मे दो दिवसीय प्रवास के प्रश्चात प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज और उपप्रवर्तक विनय मुनि उपप्रवर्तक गौतममुनि उपप्रवर्तक अमृत मुनि युवाप्रणेंता महेश मुनि तथा तपस्वी मुकेश मुनि आदि ठाणा 14 के विहार के दौरान प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज ने श्रंदालूओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि संसार मे जितनें भी महापुरुष हुए उन्होंने धर्म की शरण लेकर अपनी आत्मा को मोक्ष दिलवाया। संसार में भक्ति का मार्ग मनुष्य के लिए मोक्ष की प्राप्ति के द्वार खोलता है परंतु भक्ति पूर्ण लगन से होनी चाहिए। भक्त पूरी तरह से स्वयं भी भगवान की शरण में सौंप दे। सांसारिक बातों से कोई मोह न रखें तो वह धर्म की पाल को बांधकर अपनी आत्मा को मोक्ष दिलवा सकता है। इसदौरान उपप्रवर्तक विनय मुनि गौतममुनि मुनि तथा उपप्रवर्तक अमृत मुनि आदि ने कहा कि व्यक्ति को भाग्यवादी न बनकर कर्मवादी बनना चाहिए। अच्छा और सात्विक आचरण एवं अच्छे कर्मों के द्वारा ही व्यक्ति इस जन्म-मरण के बंधन से अपनी आत्मा को संसार से मुक्त करवा सकता है। मनुष्य को यह नहीं सोचना चाहिए कि दुसरें क्या कर रहे है उसे स्वंय की सोच रखकर अपनी आत्मा के उत्थान का लक्ष्य लेकर धर्म का सहारा लेकर जीवन को सुखमय बनाना चाहिए । तभी मनुष्य संसार के बंधनो से अपनी आत्मा को मुक्त करा पाएगा।प्रवर्तक सुकनमुनि उपप्रवर्तक अमृत मुनि ठाणा 5 ने बाली की ओर विहार किया तथा फालना होते हुए 14 मार्च को जालोर पधारेगें। धर्मसभा मे जयंतीलाल पुखराज छाजेड़, प्रवीण भंडारी, ठाकुर रतन सिंह, विनोद कुमार माधुर आदि की उपस्थिति रही।

जैन धर्म के बीसवें तीर्थंकर मुनि सुव्रतनाथ भगवान का मनाया मोक्ष कल्याणक महोत्सव

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर तथा मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के बीसवें तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ।जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि मुनिसुव्रतनाथ जिनालय में आज प्रातः श्रावकों द्वारा श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए जैन-धर्म के बीसवें तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव का जयकारों के साथ सामूहिक रूप से लाडू चढ़ाकर विश्व शांति की कामना की गई। इसी कड़ी में मंदिर समिति के प्रतिनिधि महावीर मोदी ने अवगत कराया कि प्रातः बोलियों के माध्यम से अशोक कुमार- कांता ,संतोष कुमार- मंजू कासलीवाल परिवार जयपुर ने श्री जी के 108 स्वर्ण कलशो से कलशाभिषैक कर धर्म लाभ प्राप्त किया। मंदिर समिति के अध्यक्ष अशोक कासलीवाल ने बताया कि मोहनलाल, कमलेश कुमार, महेश कुमार झंडा परिवार ने बोली के माध्यम से मूलनायक मुनि मुनिसुव्रतनाथ भगवान की महा शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त किया। मंदिर समिति के प्रतिनिधि मोहनलाल झंडा ने बताया कि इसी कड़ी में बसंत कुमार- अतीव कुमार बाकलीवाल परिवार गायत्री नगर महारानी फार्म जयपुर ने भी स्वेच्छा से सहयोग राशी देकर शांति धारा करने का सौभाग्य प्राप्त किया।

जैन आचार्य जयकीर्ति जी महाराज के सानिध्य में शुरू हुआ 10 दिवसीय श्री जैन रामायण कथा महोत्सव का भव्य आयोजन

पटना. शाबाश इंडिया। कदमकुआँ स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में प्रथम बार गुरुवार से दस दिवसीय श्री जैन रामायण कथा महोत्सव की शुरूआत जैन संत आचार्य श्री 108 जयकीर्ति जी महाराज ससंघ के सानिध्य में हुआ। प्रवीण जैन ने बताया कि यह कथा महोत्सव विशिष्ट राम कथाकार अनुष्ठान विशेषज्ञ परम पूज्य ध्यान दिवाकर मुनि प्रवर 108 श्री जय कीर्ति जी गुरुदेव के पावन सानिध्य में हो रहा है। पूज्य गुरुदेव अपनी अनूठी शैली के साथ 7 मार्च से भव्य आगाज ''श्री जैन रामायण कथा महोत्सव'' का किया।ऐसा कार्यक्रम पटना के इतिहास में प्रथम बार हो रहा है जहां जैन दर्शन के अनुसार मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की जीवन गाथा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे है।कथा के दौरान अपने चिर परिचित अंदाज में जैन संत जयकीर्ति जी महाराज की बहुचर्चित राम कथा प्रत्येक वर्ग के लोगों को मंत्र-मुग्ध कर देने वाली है। यह जीवन जीने की राह सिखाती है प्रभु श्री राम का जीवन आज्ञाकारिता, धीरता गंभीरता, शांतता, वीरता, कर्तव्य परायणता जैसे अनेकों गुण जीवन में उतारने की प्रेरणा देते हैं। उपस्थित श्रद्धालु ध्यानपूर्वक कथा का श्रवण कर रहे थे। श्री जैन रामायण कथा महोत्सव का आयोजन सुबह 7:30 से 10:00 बजे तक कदमकुआँ कांग्रेस मैदान स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर प्रांगण में 16 मार्च तक चलेगा।

संकलन : प्रवीण जैन (पटना)

हीरा पथ मानसरोवर जयपुर में मुनि सुव्रत नाथ निर्वाण लाडू चढ़ाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर जयपुर में मुनि सुव्रत नाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक निर्वाण महोत्सव पर बड़े ही भक्ति भाव से मोक्ष कल्याणक निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य ब्रह्मचारी दीपक राज, सुषमा, अनंत, सुधांशु, रिचा, सिद्धार्थ, सोहम जैन कनाडा निवासी ने प्राप्त किया। देवेंद्र छाबड़ा ट्रस्टी ने बताया कि इस अवसर पर कल्याण मल, शकुंतला, शांति, संजय, पंकज, नरेश, सुनील एवम समाज के अन्य श्रेष्ठी गण मौजूद रहे।

8 मार्च' 24

25th ANNIVERSARY

श्री राजेश-रितु छाबड़ा

को 25वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

राकेश-समता गोदिका

श्री कैलाश-प्रेमलता जैन

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सम्मानित सदस्य

Happy Anniversary

8 मार्च' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या

संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका

सचिव: राजेश - रानी पाटनी

कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन

सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

बेरू में जैन आचार्य सुनील सागर जी ने दिए स्कूली बच्चों को प्रवचन

सीकरी. शाबाश इंडिया

तहसील के गांव बेरू में आचार्य श्री सुनील सागर जी मुनिराज ने एक प्राइवेट विद्यालय के बच्चों को प्रवचनों के माध्यम से जैन धर्म के बारे में विस्तार से बताया। जैन युवा परिषद् सीकरी के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र जैन ने बताया कि आचार्य श्री सुनील सागर जी मुनिराज ससंघ का कामां पंचकल्याणक के उपरांत श्री महावीर जी होते हुए जयपुर की ओर मंगल विहार चल रहा है। जिसमें सीकरी शहर के नजदीकी गांव बेरू के प्राइवेट स्कूल में आचार्य श्री की बुधवार की आहारचर्या हुई। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों ने जैन संतों की आहारचर्या को देखा कि कैसे जैन संत 24 घंटे में सिर्फ एक बार आहार- जल ग्रहण करते हैं और वो भी बिना किसी बर्तन के खड़े होकर। इसके बाद स्कूल के प्रिंसिपल के विशेष निवेदन पर आचार्य श्री ने बच्चों के लिए प्रवचन भी दिए जिसमें आचार्य श्री ने प्रवचनों के माध्यम से बच्चों से कहा कि हमेशा एक दुसरे के सहयोगी बनकर पढ़ाई करना अगर आपका कोई साथी गरीब है उसे अपनी पुस्तक या पेन देकर या जिस तरह से भी आप उसकी मदद कर सको वो करना। मोबाइल, बाहरी खान-पान से दूरी बनाकर रखना क्यूंकि ये दिमाग को कमजोर पढ़ाई में बाधा उत्पन्न करते हैं। उन्होंने बच्चों से कहा कि रात को जल्दी सोने के बाद प्रातः जल्दी उठकर अध्ययन करना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने स्कूल के अध्यापकों व बच्चों से मांसाहार ना करने का संदेश देते हुए सभी को बहुत आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर कैथवाड़ा के सरकारी अध्यापक नानक चंद शर्मा ने भी आचार्य श्री के चरणों में कविताएं प्रस्तुत कर जैन धर्म का व्याख्यान किया व युवा परिषद् सीकरी के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र जैन ने स्कूल को पावन धरा बताते हुए कहा कि जब भी किसी जैन संत का यहां से विहार होता है तो स्कूल के संचालक जैन संतों के लिए दरवाजे खोल देते हैं। ये स्कूल के प्रिंसिपल, अध्यापकों व बच्चों का परम सौभाग्य है जो उनके स्कूल में जैन संतों के चरण पड़े।

श्री फूलचंद - मंजू पांड्या
दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सम्मानित सदस्य

Happy Anniversary
8 मार्च ' 24
की वैवाहिक वर्षगांठ पर
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
शुभेच्छु
अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या
संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका
सचिव: राजेश - रानी पाटनी
कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन
सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया
एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

श्री राजेश-रितु छाबड़ा
दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के संगठन सचिव

Happy Anniversary
8 मार्च ' 24
की 25वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
शुभेच्छु
अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या
संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका
सचिव: राजेश - रानी पाटनी
कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन
सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया
एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ भगवान का निर्वाण महोत्सव मनाया

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया।
श्री दिगंबर जैन समाज झुमरीतिलैया के नेतृत्व में जैन धर्म के 19 वे तीर्थंकर देवाधिदेव 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान का निर्वाण महोत्सव बहुत ही भक्ति भाव के साथ श्री दिगंबर जैन मंदिर के निमार्णाधीन स्थल झुमरी तिलैया में मनाया गया जिसमें सर्वप्रथम प्रातः देवाधिदेव 1008 श्री आदिनाथ भगवान, 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान, 1008 श्री पार्श्व नाथ भगवान की प्रतिमा को अपने माथे पर लेकर गाजे बाजे के साथ मंदिर की परिक्रमा करते हुए मंत्रोचार के साथ निमार्णाधीन स्थल पर पांडुक शिला पर विराजमान किया ओर जहाँ पर प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य अनिल जैन कासलीवाल,अनिल जैन ठोल्या, सुरेश जैन झांझरी, को प्राप्त हुआ साथ ही बहुत ही भक्ति भाव के साथ आज का विशेष मंत्रों द्वारा शांति धारा करने का सौभाग्य आज के पुण्यार्जक समाज श्रेष्टि सुशील जैन छाबडा, रौनक जैन कासलीवाल, रतन लाल जैन पहाड़िया के परिवार को प्राप्त हुआ ।तत्पश्चात बहुत ही भक्ति भाव से संगीत मय पूजन सुबोध-आशा जैन गंगवाल के द्वारा 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान का किया गया इसके साथ ही पूर्व मंत्री ललित-नीलम जैन सेठी के परिवार को निर्वाण लाडू भगवान के चरणों में चढ़ाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। ज्ञात हो कि आज फागुन कृष्ण बारस आज ही के दिन देवाधिदेव 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान का निर्वाण झारखंड के सवोच्च तीर्थ राज सम्मेद शिखर के पहाड़ से निर्जर कूट से हुआ था उस समय से पूरे दुनिया में आज के दिन मुनिसुव्रतनाथ भगवान का निर्वाण महोत्सव बहुत ही धूमधाम भक्ति भाव के साथ मनाते है, इस अवसर पर समाज के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे जिसमें विशेष रूप से समाज के उप मंत्री नरेंद्र झांझरी, कोषाध्यक्ष सुरेन्द जैन काला, निमार्णाधीन मंदिर के संयोजक सुरेश जैन झांझरी, सुशील जैन छाबडा,विवेक जैन सेठी, अभिषेक जैन गंगवाल, प्रवींन जैन पाटनी ,निर्वाण महोत्सव के संयोजक अजय जैन सेठी,महिला समाज की अध्यक्षा नीलम जैन सेठी,मंत्राणी आशा जैन गंगवाल,वार्ड पार्षद पिंकी जैन आदि कई लोग उपस्थित हुए,पूजन के बाद णमोकार महामंत्र का अखंड पाठ संध्या 4 बजे तक हुवा ,रात्रि में प्रतिदिन के भाती णमोकार चालीसा का पाठ ,भक्तामर का पाठ लड्डू जैन छाबडा,विकाश जैन सेठी के निर्देशन में हुवा ।इसी के साथ स्थानीय पंडित अभिषेक शास्त्री के द्वारा 1008 मुनिसुव्रतनाथ भगवान के जीवन पर प्रकाश डाला। कोडरमा जैन समाज मीडिया प्रभारी नवीन जैन,राज कुमार जैन अजमेरा मौजूद थे।

भगवान महावीर के 2622वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयनती तक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर एवं
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के तत्वावधान में
R K GROUP | ARL | समाचार जगत
श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद द्वारा
In association with NSS and ROTARACT Club of Shri Mahaveer College.
रक्तदान जीवन दान — GIVE BLOOD GIVE LIFE
रक्तदान शिविर
प्रातः 9 से 1 बजे तक शनिवार, 16 मार्च 2024
स्थान:- श्री महावीर कॉलेज, सी-स्कीम, जयपुर
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।
उमराव मल संघी अध्यक्ष | सुनील बख्शी मानद् मंत्री | महेश काला कोषाध्यक्ष | सीए प्रमोद पाटनी संयोजक
डॉ. आशीष गुप्ता प्राचार्य | डॉ. मिनल शर्मा शिविर संयोजक | डॉ. जे.एस. बिदावत शिविर संयोजक

श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान का निर्वाण लाडू चढ़ाया गया

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में प्रातः 1008 श्री मुनीसुव्रतनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव बड़े उत्साह पूर्वक मनाया गया। प्रातः श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान, शांतिनाथ एवं पार्श्वनाथ का महामस्तकाभिषेक कर चांदमल जैन ने मुनिससुव्रतनाथ भगवान पर, अशोक पाटोदी, ने शांतिनाथ, पूनम चंद सेठी ने पार्श्वनाथ भगवान पर ने शांतिधारा की। इस उपरांत निर्वाण कांड के पाठ द्वारा मुनिसुव्रतनाथ भगवान का निर्वाण लाडू सामूहिक रूप से चढ़ाया गया। इस दौरान महिलाओं ने भी बधाई गीत के साथ नृत्य कर भाव विभोर हुई। तत्पश्चात श्रावक- श्राविकाओ ने श्रीमुनिसुव्रतनाथ भगवान की पूजा-अर्चना कर अर्ग समर्पण किये।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का समापन

संत शाला का भूमि पूजन एवं शिलान्यास हुआ

चांदखेड़ी. शाबाश इंडिया

प्रातःकाल बेला में श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक हुआ इसके पश्चात भगवान की पुजन निर्वाण लाडु व हवन के साथ सिद्धचक्र महामंडल विधान की पुणार्हुति की गई। इसके उपरांत श्रीजी की शोभायात्रा मन्दिर से शुरू होकर कस्बे के मुख्य मार्गो से महावीर पार्क से होती हुई वापस श्री मुनिसुव्रतनाथ मन्दिर पर संपन्न हुई। महामंत्री प्रशांत जैन ने बताया कि शोभायात्रा मे महिलाएं व पुरुष मस्तक पर मुकट धारण करके, इन्द्र-इन्द्राणी के वेश मे नृत्य करते हुए चल रहे थे जो कि आकर्षण का केन्द्र रहा। वही नवयुवक श्री जी को पालकी मे उठाए हुये चल रहे थे। सभी समाज बंधु भक्ति एवं उत्साह के साथ शोभायात्रा मे चल रहे थे।

मन्दिर पर संतशाला का भूमि पुजन हुआ

वहीं इस अवसर पर विधानाचार्य बाल ब्र.संजय भैया मुरैना के सानिध्य मे संत शाला का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया गया। जिसमें मुख्य आधारशिला समाज के आग्रह पर चन्द्रोदय तीर्थ चांदखेड़ी के अध्यक्ष हुकम काका ने रखी। परमेष्ठि पांच शिलाएं संतकक्ष के पुण्यार्जकों स्वरूपचन्द गजेन्द्र कुमार कागला परिवार, मातृ श्री प्रेमबाई तदपुत्र ऋषभ जैन अजित कुमार जैन कागला परिवार, ब्र.बहन ऋतुकला दीदी, शंकरलाल श्रीमति विद्या तदपुत्री ब्र.बहन उषा दीदी, पदम कुमार अमित कुमार कागला परिवार द्वारा स्थापित की गई। निर्माण शिला संतकक्ष पुण्यार्जक सत्यनारायण महेशकुमार, राजकुमार, प्रशान्त जैन लीमी परिवार व आहार कक्ष पुण्यार्जक भगवानस्वरूप पदमकुमार देवरी परिवार द्वारा स्थापित की गई। इसके पश्चात स्वर्ण व रजत शिलाएं स्थापित करके समाज के सभी परिवारों ने शिलान्यास मे भाग लेकर पुण्यार्जन किया इस अवसर पर वात्सल्यभोज भी आहूत किया गया।

-अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

जिनेंद्र प्रभु की वाणी के उपासक ही जैन कहलाते हैं : आचार्य विमर्शसागर

जिनागम पंथ स्थापना दिवस मनाया गया

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

एटा। जिन्होंने स्वयं के मन और इंद्रियों पर विजय प्राप्त करली है, संसार में अब जिन्हें कुछ भी जीतना शेष नहीं रहा है अर्थात संसार की सभी महा विभूतियां व देव भी जिनके श्री चरणों में नमस्कार करते हैं वे जिन कहलाते हैं। ऐसे जिनेंद्र भगवान के उपासक जैन कहलाते हैं। जैन धर्म के आद्य धर्मतीर्थ प्रवर्तक देवाधिदेव भगवान आदिनाथ हुए। उनके ही प्रथम पुत्र चक्रवर्ती भरत के नाम पर इस भूमि का नाम भारत देश के नाम से विख्यात हुआ। उक्त उद्गार भाव लिंगी संत आचार्य श्री विमर्श सागर महाराज ने जिनागम पंथ स्थापना दिवस के अवसर पर एटा नगर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उत्तर प्रदेश के एटा नगर में भावलिंगी संत, जिनागम पंथ प्रवर्तक आचार्य श्री विमर्श सागर महाराज के पावन सान्निध्य में जिनागम पंथ स्थापना दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। इस पावन एवम पुनीत अवसर पर नगर में एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। श्री जिनेंद्र प्रभु की भक्तिमय आराधना के साथ विशेष पूजा अर्चना की गई। कार्यक्रम के शुभारंभ में जिनागम पंथ का ध्वजारोहण किया गया।

जैन धर्म के बीसवें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रतनाथ का मोक्ष कल्याणक मनाया

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

कोटखावदा। श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र कोटखावदा में जयकारों के साथ जैन धर्म के बीसवें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रतनाथ का मोक्ष कल्याणक मनाया गया मंदिर जी में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन हुए मोक्ष का प्रतीक निर्माण लाडू चढ़ाया गया प्रचार -प्रसार मंत्री अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रातः भगवान मुनिसुव्रतनाथ का अभिषेक, शांति के बाद पूजा अर्चना की गई पूजा के दौरान मोक्ष कल्याणक श्लोक का उच्चारण करते हुए अर्घ चढ़ाया गया राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि सायंकाल महाआरती के बाद भक्ति संध्या का आयोजन हुआ जिसमें धर्मावलम्बीयों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया इस अवसर पर समिति अध्यक्ष महावीर गंगवाल, महामंत्री दीपक वैद, पंकज वैद, चेतन जैन, रीतेश वैद, अशोक पाटोदी सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे।

रजि . नं. 534/ जयपुर /1980-81

राजस्थान जैन युवा महासभा
राजस्थान-जयपुर

(जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था)

पंजीकृत कार्यालय : 1331, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर फोन : 98290-51671 / 93142-78866

प्रदेश कार्यालय : 13 क 3, ज्योति नगर हॉउसिंग बोर्ड, सहकार मार्ग, जयपुर

website : rjym108.com
e-mail : rjym108@gmail.com

ARL — Delivering Quality with Integrity — ARL INFRATECH LTD.

होली मिलन समारोह....

चंग ढप धमाल मस्ती, फूलों की होली

रंगारंग कार्यक्रम

सायंकाल -4.30 बजे से

पीछे वाला लान, भट्टारक जी की नसियां, जयपुर

...आमंत्रित अतिथि...

श्री नन्दकिशोर जी प्रमोद जी पहाड़िया, श्री सुधान्शु जी कासलीवाल
श्री सुभाष जी जैन जौहरी, श्री उमरावमल जी संघी, श्री अजय जी गंगवाल
श्री मुकेश जी शर्मा , श्री विनय जी सौगानी, श्री अनिल जी जैन बनेठा,
श्री विनोद जी तिजारिया, श्री धर्मचन्द जी पहाड़िया, श्री पदम जी चन्द बिलाला,
श्री आलोक जी तिजारिया, श्री कैलाश चन्द जी माणक जी रमेश जी ठोलिया
श्री शैलेन्द्र जी गोधा,श्री कमल जी वैद, श्री महावीर जी कसेरा

समन्वयक : मनीष बैद, कमल सरावगी, सी एस जैन, संजय पाण्डया,
भारतभूषण जैन,धीरज पाटनी, राज कुमार पाटनी, डॉ. राजीव जैन, मुकेश कासलीवाल
तरुण जैन, चेतन जैन निमोडिया, राजेश चौधरी, मुकेश जैन, जितेश लुहाड़िया

Women's Power 2024

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में

आत्मनिर्भरता नारी की शक्ति है

8 शुक्रवार मार्च 2024 दोपहर 12.15 बजे से सायं 5.00 बजे

स्थान : भट्टारक की नसियाँ, जयपुर

डॉ. शीला जैन, श्रीमती शीला जैन डोड्या, श्रीमती मणि कोठ्यारी, श्रीमती इन्दिरा बड़जात्या
समारोह परामर्शक

श्रीमती पुष्पा सौगानी — मुख्य समन्वयक — 98293-99895

समन्वयक : श्रीमती शालिनी बाकलीवाल, डॉ. रश्मि कोठ्यारी
श्रीमती शशि जैन, श्रीमती सुनिता अजमेरा

श्रीमती पूनम चाँदवाड़ — मुख्य समन्वयक — 85020-01301

श्रीमती रेखा पाटनी	श्रीमती नीतू जैन	श्रीमती भंवरी देवी जैन	श्रीमती सारिका जैन	श्रीमती कविता अजमेरा
मुख्य संयोजक	मुख्य संयोजक	मुख्य संयोजक	मुख्य संयोजक	मुख्य संयोजक
79781-88174	93144-44099	93145-51550	95302-69637	93513-48318

संयोजकगण : श्रीमती निशा जैन,श्रीमती दीपिका जैन 'कोटखावदा',श्रीमती रचना बैद
डॉ. अनामिका पापड़ीवाल, श्रीमती नमिता जैन, श्रीमती किरण बगड़ा, श्रीमती सुशीला जैन, श्रीमती कल्पना जैन
श्रीमती सुशीला छाबड़ा, श्रीमती मैना गंगवाल, श्रीमती शालिनी अजमेरा, श्रीमती अस्मिता पाटनी, श्रीमती मालती जैन,
श्रीमती रश्मि छाबड़ा, श्रीमती बीना टोंग्या, श्रीमती मृदुला पाटनी, श्रीमती निधि बड़जात्या, श्रीमती कल्पना बैद

गौरवमयी उपस्थिति-
उप मुख्यमंत्री- दीया कुमारी जी, महापौर डॉ. सौम्या जी गुर्जर
श्रीमति नलिनी कठोतिया IAS, श्रीमति त्रिशला गोधा

मुख्य अतिथि -
श्रीमति शान्तिदेवी, श्रीमति नीना -श्रीमति निशा पहाड़िया,(ARL)

समारोह अध्यक्ष -
श्रीमति अनिला कोठारी, महावीर कैंसर हॉस्पिटल

चित्र अनावरणकर्ता-
श्रीमति कुसुम -श्रीमति दीपाली संघी

दीप प्रज्ज्वलनकर्ता-
श्रीमति ममता सौगानी, श्रीमति मिताली सौगानी (जापान वाले)

विशिष्ट अतिथि -
श्रीमति दिशा ठोलिया ,श्रीमति राखी गंगवाल, श्रीमति दीपा शर्मा
श्रीमति नीरु मेहता , श्रीमति अंजू बैराठी, श्रीमति शशी जैन जौहरी
श्रीमती स्नेहलता सौगानी, श्रीमती शशी तिजारिया, श्रीमति मंजू बैद
श्रीमती अन्नू तिजारिया, श्रीमती उषा जैन बनेठा,श्रीमति सुनीता करोरा
श्रीमति गुणमाला देवी पहाड़िया, श्रीमती पुष्पा बिलाला

बम्पर हाऊजी लक्की ड्रॉ

विशेष सम्मान
- नारी गौरव सम्मान
- महिला उत्थान में कार्यरत् सामाजिक संस्था
- समाज की प्रतिभाएँ

सर्वाधिक रजिस्ट्रेशन करवाने वाली संस्था का सम्मान

- ड्रेस कोड- रंग बिरंगी साड़ी

- सांस्कृतिक प्रस्तुति
- प्रतिभाओं का सम्मान
- नारी उत्थान उद्बोधन
- मनोरंजक कार्यक्रम
- पारितोषिक वितरण
- अल्पाहार एवं भोजन

FREE MEDICAL CHECK-UPS
मेडीकल पार्टनर
SHALBY MULTI-SPECIALTY HOSPITALS

उद्बोधन -डॉ. ममता मेहता
वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ शैल्बी हॉस्पिटल
डॉ अनन्या पारीक - ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस
कन्सलटैन्ट रेडियेशन कैंसर-शैल्बी हॉस्पिटल

वक्तागण.. डॉ. कुसुम जैन, पूर्व प्राचार्या महारानी कॉलेज
श्रीमती सुषमा अरोड़ा I.A.S., प्रबन्ध निदेशक : आर.सी.डी.एफ.
श्रीमती तुलिका गुप्ता , निदेशक भारतीय शिल्प संस्थान भारत सरकार

बेस्ट महिला कार्यकर्त्ता का सम्मान

विशेष पुरस्कार

महिला उत्थान के लिए आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में महिला संगठनों की सदस्याएँ सादर आमंत्रित है।

संरक्षक - श्री नन्दकिशोर प्रमोद पहाड़िया, श्री सुधांशु कासलीवाल, श्री उमरावमल संघी, श्री सुरेश सबलावत, श्री प्रमोद पहाड़िया, श्री अजय गंगवाल, श्री अनिल जैन बनेठा, श्री कैलाश चन्द माणक चन्द रमेश ठोलिया, श्री सी.पी.पहाड़िया

**POWERED By - ARL Group / JKJ Jwellers / Sogani Jwellers
MS Jwellers / Vinit Jain Creations**

-निवेदक-

ज्ञानचन्द झांझरी	प्रदीप जैन	विनोद जैन 'कोटखावदा'	रवि प्रकाश जैन
संस्थापक अध्यक्ष	अध्यक्ष	महामंत्री	कोषाध्यक्ष

एवं समस्त टीम राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर

समय की रेत पर छाप छोड़ती युवा लेखिका प्रियंका सौरभ

महिला दिवस विशेष

युवा महिला लेखिका जो हिंदी और अंग्रेजी के 10,000 से अधिक समाचार पत्रों के लिए दैनिक संपादकीय लिख रही हैं जो विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित होते हैं। प्रमाणित सबूत गूगल के रूप में प्रियंका सौरभ और आपको सब कुछ मिल जायेगा। दुनिया के सबसे बड़े शिक्षा मंच unacademy और व्यक्तिगत यूट्यूब चैनल पर लड़कियों को मुफ्त कोचिंग प्रदान करना। विशेष रूप से निराश्रित महिलाओं और बच्चों, विधवाओं, विकलांग महिलाओं जैसी कठिन परिस्थितियों में महिलाओं और बच्चों के समर्थन और पुनर्वास के बारे में अपने लेखन और सेमिनार के माध्यम से लड़कियों और महिलाओं को शिक्षित करना। प्रियंका ने अभी तक पांच किताबें लिखी हैं, दो कविताएं 'दीमक लगे गुलाब' और 'परियों से संवाद', एक महिलाओं के मुद्दों और दर्द के बारे में है जिसका शीर्षक 'निर्भयाएं' है और एक अंग्रेजी में वर्तमान युग में महिलाओं की प्रगति के बारे में 'फीयरलेस' है। पांचवी पुस्तक समय की रेत पर समसामयिक निबंध है।

रेनू शब्द मुखर

यह कहानी है हिसार के आर्यनगर गांव की बेटी 28 वर्षीय युवा लेखिका 'प्रियंका सौरभ' की, जो मौजूदा समय में महिला सशक्तिकरण की मिसाल हैं और अपनी कलम से नारी जगत के लिए आवाज उठा रही हैं। कविता के अलावा वे प्रतिदिन अपने संपादकीय लेखों से विभिन्न भाषाओं में लेखन कार्य कर रही हैं। उनकी कई पुस्तकें हाल ही में प्रकाशित हुई हैं। इनमें सामाजिक और राजनीतिक जीवन की कड़वी सच्चाई को व्यक्त करने वाले निबंध 'दीमक लगे गुलाब' और आधुनिक नारी की समस्याओं से रूबरू कराने वाली 'निर्भयाएं' शामिल हैं। इन दो किताबों के अलावा हर क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति पर आधारित अंग्रेजी में 'द फीयरलेस' किताब शामिल है। समय की रेत पर इनका नया निबंध संग्रह है। युवा लेखिका प्रियंका सौरभ' लगातार महिलाओं की समस्याओं पर लिखती रही हैं। प्रकाशित पुस्तकों में प्रियंका सौरभ ने आधुनिक नारी की वर्तमान समस्याओं को रखा है, जो वर्तमान में कहीं न कहीं उनके जीवन को प्रभावित कर रही हैं। प्रियंका सौरभ का जन्म आर्यनगर, हिसार, हरियाणा में हुआ। उनके पिता सुमेर सिंह उब्बा एक कानूनगो हैं और मां रोशनी देवी एक गृहिणी हैं। बचपन से ही उन्हें लिखने-पढ़ने का शौक रहा है। ये राजनीति विज्ञान में मास्टर और एमफिल हैं। वर्तमान में वे रिसर्च स्कॉलर हैं और हरियाणा सरकार में सीनियर असिस्टेंट के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा आर्यनगर गांव से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर और एमफिल की शिक्षा प्राप्त की। बचपन से ही उनकी साहित्य में रुचि रही है। शिक्षा के साथ-साथ उन्होंने अपनी साहित्यिक रुचि नहीं छोड़ी। और अपना लेखन कार्य जारी रखा। कविता लेखन के साथ-साथ उन्हें संपादकीय लेखन का भी शौक है। प्रतिदिन उनके संपादकीय लेख देश भर के समाचार पत्रों में विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित होते हैं। प्रियंका ने अपनी पुस्तकों के प्रकाशन को समय का सदुपयोग बताया। इस दौरान उन्हें अपना क्रिएटिव लेवल बढ़ाने का मौका मिला है। फलस्वरूप इनकी कई पुस्तकें साहित्य जगत में आई हैं। प्रियंका सौरभ ने पिछले 10 वर्षों से सामाजिक कार्यों और जागरूकता से संबंधित कई संस्थानों और संगठनों में विभिन्न पदों पर कार्य किया है और 2021 में उन्हें 'आईपीएस मनुमुक्त' मानव 'राष्ट्रीय युवा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। उनकी साहित्यिक और शैक्षणिक उपलब्धियों के परिणामस्वरूप, प्रियंका सौरभ को वर्ल्ड पीस फाउंडेशन द्वारा 'मानद डॉक्टरेट' से सम्मानित किया गया है। वर्ष 2022 में, उन्हें दिल्ली में 'नारी रत्न पुरस्कार' और रोहतक में 'हरियाणा की शक्तिशाली महिला पुरस्कार' से भूपेंद्र सिंह हुड्डा, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और गजेंद्र चौहान, भारतीय महाकाव्य महाभारत के युधिष्ठिर ने इनको सम्मानित किया।

जनकपुरी में मनाया गया भगवान मुनिसूव्रत नाथ का मोक्ष कल्याणक

स्वस्ति भूषण माताजी लिखित मुनिसूव्रत नाथ का पढ़ा चालीसा

बीस-धनू तन श्याम छवी, कछु-अंक हरी वर वंश बताई।।
सो मुनिसुव्रतनाथ प्रभू कहँ, थापत हूँ इत प्रीत लगाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में गुरुवार को जैन धर्म के बीसवें तीर्थंकर भगवान श्री 1008 मुनिसूव्रत नाथ का निर्वाण महोत्सव भक्ति भाव के साथ मनाया गया । मन्दिर समिति के अध्यक्ष

पदम जैन बिलाला ने बताया कि उनके पिता का नाम सुमित्र और माता का नाम पद्यावती था। ये भगवान राम के समकालीन माने गये हैं उनका जन्म राजगृह (राजगिर) और निर्वाण संमेदशिखर पर हुआ था। कछुवा उनका चिह्न बताया गया है। मन्दिर में उत्तर की वेदी में विराजित मुनिसूव्रत नाथ की प्रतिमा के स्वर्ण कलश से मन्त्रोंचार के साथ अभिषेक किए गए तथा मूल वेदी पर शान्तिधारा की गई । इसके बाद निर्वाण काण्ड का वाचन किया गया तथा भगवान मुनिसूव्रत नाथ के मोक्ष कल्याण का अर्घ - वदि- बारसि-फागुन मोच्छ गये, तिहुँलोक-शिरोमणि सिद्ध भये। सु अनंत-गुनाकर विघ्न हरी, हम पूजत हैं मन-मोद भरी।। बोलते हुए निर्वाण लाडु मय श्रीफल व दीपक के उपस्थित गणमान्य श्रावक श्रविकाओं द्वारा चढ़ाया गया । इसके बाद स्वस्ति भूषण माताजी रचित मुनिसूव्रत नाथ भगवान के चालीसा का पाठ - मुनिसूव्रत प्रभु का जय कारा ,जय जय का लगता है नारा बोलकर किया गया ।

राजस्थान जैन युवा महासभा करेगी प्रतिभाओं का सम्मान

महिला दिवस के उपलक्ष्य में वुमेन्स पावर-2024 भट्टारकजी की नसियां में आज

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के तत्वावधान में शुक्रवार 8 मार्च को भट्टारकजी की नसियां में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में वुमेन्स पावर-2024 महिलाओं के लिए विशेष आयोजन होगा। प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि दोपहर 12 बजे से होने वाले इस आयोजन में सांस्कृतिक प्रस्तुति, प्रतिभाओं का सम्मान, नारी उत्थान व मोटिवेशनल उदबोधन, महिलाओं के स्वास्थ्य पर टाक शो, नृत्य नाटिका सहित मनोरंजन के कई कार्यक्रम होगें। समाजसेविका ममता सोगानी मिताली सोगानी जापान वाले भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ करेगी। चित्र अनावरण कुसुम, दीपाली संघी करेगी। विशिष्ट अतिथि समाजसेविका दिशा ठोलिया,राखी गंगवाल,नीरु मेहता,शशि जैन जौहरी, अंजू बैराठी, अन्नू तिजारिया ,स्नेह लता सोगानी,शशि तिजारिया, दीपा शर्मा, मंजू वैद, ऊषा जैन बनेठा, सुनीता कसेरा, गुणमाला देवी पहाड़िया, पुष्पा बिलाला एवं आयरलैंड निवासी नीरा बज होगी। मुख्य वक्ता के रूप में आरसीडीएफ की एम डी आईएएस सुषमा अरोड़ा एवं भारतीय शिल्प एवं कला संस्थान की निदेशक तुलिका गुप्ता होगी। महिला स्वास्थ्य पर वक्ता शैल्बी अस्पताल की वरिष्ठ महिला रोग विशेषज्ञ डॉ ममता मेहता एवं ब्रेस्ट कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अनन्या पारीक होगी। कार्यक्रम के लिए पुष्पा सोगानी एवं पूनम चांदवाड को मुख्य समन्वयक , रेखा पाटनी, नीतू जैन,भंवरी देवी, सारिका जैन एवं कविता अजमेरा को मुख्य संयोजक बनाया गया है। जैन ने बताया कि इस मौके पर समाजसेविका ममता सोगानी एवं ज्योति कासलीवाल को नारी गौरव से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में 5 प्रतिभाओं को तथा महिला उत्थान के लिए समर्पित एक जैन संस्था का सम्मान किया जाएगा। सभी महिलाएं रंग बिरंगी साड़ी में शामिल होगी।

फूलों की होली एवं रंगारंग कार्यक्रम शाम को

राजस्थान जैन युवा महासभा की ओर से शुक्रवार 8 मार्च को ही सायंकाल भट्टारक जी की नसियां में समाज के गणमान्य श्रेष्ठियों एवं युवाओं के लिए होली मिलन समारोह रखा गया है इस मौके पर नन्द किशोर प्रमोद पहाडियाँ, सुधान्शु कासलीवाल, सुभाष जौहरी,उमराव मल संघी, नरेश मेहता,अजय गंगवाल, मुकेश शर्मा, कैलाश चन्द माणक चन्द रमेश ठोलिया,विनय सोगानी, अनिल जैन बनेठा, विनोद तिजारिया, धर्म चन्द पहाड़िया, पदम बिलाला, आलोक तिजारिया, शैलेन्द्र गोधा,कमल वैद, महावीर कसेरा,आयरलैंड निवासी डॉ. महेश बज विशिष्ट अतिथि होंगे। इस मौके पर फूलों की होली, रंगारंग कार्यक्रम के साथ गुलाबो सपेरा एवं बालीवुड सिंगर निशु, मूमल, नीलांशी एवं आदिल अपनी प्रस्तुति देंगे।

फेसबुक, इंस्टाग्राम बंद से मेटा को अरबों से ज्यादा नुकसान

5 मार्च को सोशल मीडिया ठप हो गया था। फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने काम करना बंद कर दिया था ।करीब 2 घंटों के बाद इन ऐप्स ने दोबारा काम करना शुरू किया। अब इतने पॉपुलर ऐप्स इतने समय तक बंद रहे, नुकसान होना तो लाजमी था। मेटा को इस आउटेज का भारी नुकसान झेलना पड़ा है। मेटा के शेयर की कीमत 1.5 फीसदी गिर गई और अभी तक इसमें 1.6 फीसदी की गिरावट आई है। यह मेटा के लिए काफी बड़ा नुकसान कहा जा रहा है। फेसबुक, इंस्टाग्राम 5 मार्च को अचानक से काम करना बंद कर दिया। जहां फेसबुक यूजर्स के अकाउंट अपने आप ही लॉगआउट हो गए। वहीं, इंस्टा और फेसबुक को चलाने में भी परेशानी आई। न तो फीड रिफ्रेश हो रही थीं और न ही मैसेज भेजे जा रहे थे। यूजर्स की लगातर शिकायतों के बाद कंपनी ने कहा कि कंपनी इस पर काम कर रही है और जल्द ही इसे ठीक किया जाएगा। वेसबश सिक्योरिटीज के मैनेजिंग डायरेक्टर, डैन इवेस ने डेलीमेल.कॉम को बताया कि मेटा के मालिक मार्क जुकरबर्ग को लगभग 100 मिलियन डॉलर यानी करीब 8,28,97,90,000 रुपये का नुकसान हुआ। ये 2 घंटे का आउटेज कंपनी को काफी भारी पड़ गया है। मेटा के तहत जितनी भी सोशल मीडिया सर्विसेज आती हैं उन्हें इस बार भी गड़बड़ी का सामना करना पड़ा। करीब 2 घंटे तक सर्विसेज ने काम नहीं किया। 2021 में भी ऐसा ही हुआ था. इस दौरान 7 घंटे तक सर्विसेज बंद रही थीं। फेसबुक के एक यूजर्स ने बताया कि उनके इंटरनल सिस्टम बंद हो गए थे जिसके चलते ऐसा हुआ। पूजा गुप्ता मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

श्री दिगम्बर जैन महासमिति पार्श्वनाथ महिला संभाग द्वारा महिला दिवस व होली मिलन समारोह का आयोजन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन महासमिति पार्श्वनाथ महिला संभाग की और से महिला दिवस व होली मिलन समारोह का आयोजन स्थानीय मन्दिर जी में रखा गया है। महिला संभाग की अध्यक्ष नीता जैन ने बताया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्री मति संतोष पाटनी थी। विशिष्ट अतिथि- श्रीमती शीला जी डोडिया ,डॉ वंदना जैन,श्रीमती शालिनी बाकलीवाल थी। श्रीमती शीला डोडिया ने समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका कैसी होनी चाहिए पर अपने विचार व्यक्त किये। संभाग की मंत्री भँवरी देवी ने बताया कार्यक्रम का शुभारंभ श्री मती दीपा जैन के मंगलाचरण द्वारा कीया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 80 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं का सम्मान कीया गया। संभाग की कोष्याधक्ष श्री मती मीना सेठी ने महिला दिवस पर आधारित हाउजी खिलायी। सभी महिलाओं ने होली पर आधारित गेम्स का आनंद लिया।लक्की ड्रा द्वारा होली की रानी का चयन किया गया।

मानसरोवर में भगवान मुनि सुव्रतनाथ जी के मोक्ष कल्याण को समारोह पूर्वक मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर जयपुर में श्री दिगंबर जैन समाज समिति वरुण पथ मानसरोवर द्वारा श्री श्री 1008 भगवान मुनि सुव्रतनाथ जी के मोक्ष कल्याण के पावन अवसर पर निर्माण लाडू अर्पित किया गया इस अवसर पर तीनों वेदीयो पर विराजमान भगवान के अभिषेक एवं शांति धारा करने के का सौभाग्य एमपी जैन , कैलाश सेठी, अरविंद गंगवाल , हनुमान गंगवाल को प्राप्त हुआ पूर्ण विधि विधान एवं मंत्रोचार से निर्वाण लाडू अर्पित किया गया निर्माण लाडू के पुण्यार्जक के रूप में समाज सेवी निर्मल काला, श्रीमती भंवरी देवी काला , विनेश प्रीती सोगानी, श्रीमती चंदा देवी महेंद्र कासलीवाल, सुरेश श्रीमती कनक लता जैन बांदीकुई वाले, सुरेंद्र सोनल जैन , दीपेश निधि अजमेरा , अक्षय आशा गोधा ने सौभाग्य प्राप्त किया कार्यक्रम में एम पी जैन,कैलाश सेठी,विनेश सोगानी, विनोद छाबड़ा अरविंद गंगवाल , दिपेश अजमेरा, अरूण जैन, संतोष कासलीवाल, अजीत जैन बी ओ बी, जैनेंद्र पाटनी, सुनील गंगवाल, कमल जैन,मनीष जैन, संतोष अलका कासलीवाल सहित अनेकों साधर्मी बंधु उपस्थित रहे ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक परिभ्रमण कार्यक्रम आयोजित

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढ़ा के निर्देशन में एनएसएस के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक परिभ्रमण कार्यक्रम रखा गया जिसके अंतर्गत सभी स्वयंसेविकाओं ने सोत्साह भाग लिया। परिभ्रमण हेतु स्वयं सेविकाओं को श्री नृसिंह अग्रसेन जैन विद्यापीठ विद्यालय ले जाया गया जहां पर छात्राओं ने विचार गोष्ठी में भाग लिया जिसमें उन्होंने विभिन्न चर्चित महिलाओं से संबंधित अपने विचारों को अभिव्यक्त किया। अपनी जानकारी को साझा करते हुए छात्राओं ने महिलाओं की वर्तमान स्थिति पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर संगोष्ठी को संबोधित करते हुए अकादमिक प्रभारी डॉ. नीलम लोढ़ा ने सभी छात्राओं से कहा कि अपने - अपने क्षेत्र में प्रतिष्ठित इन महिलाओं के जीवन से न केवल परिचित होना है अपितु उनके द्वारा किए गए कार्यों को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास भी करना है। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर अगर आगे बढ़ेंगे तभी यह विचार गोष्ठी सार्थक होगी।

धामनोद दिगम्बर जैन मंदिर में 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान का मोक्षकल्याक निर्मण लाडू चढ़ाकर मनाया गया

धामनोद. शाबाश इंडिया। धामनोद के दिगम्बर जैन मंदिर में फाग्गुन वदी बारस को 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथजी भगवान का मोक्षकल्याक पर मन्दिर में नित्य अभिषेक शांतिधारा व सामूहिक निर्माणकाण्ड का वाचन कर भगवान के चरणों मे लड्डू चढ़ाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रावक वश्राविकाये उपस्थित थी यह जानकारी राजेश जैन व पीयूष जैन ने दी। इस अवसर पर दीपक प्रधान ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज के अध्यक्ष राकेश जैन व सचिव संदीप मंडलोई के नेतत्व में समाज का 30 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल इन्दोर के श्री सुमतिधाम में जो पंचकल्याणक में पधारे चर्या शिरोमणि विशुद्धसागरजी महामुनिराज ससंघ से मिलकर आशीर्वाद लेकर महाराज श्री ससंघ धामनोद आने का निमंत्रण दिया। प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष उपाध्यक्ष सचिव सरंक्षक सहित समाजजन उपस्थित थे। समाज अध्यक्ष राकेश जैन ने बताया कि महामुनिराज का संघ सहित आना तय है।

''डॉ. इन्दु जैन नारी शक्ति के लिए हैं प्रेरणास्रोत''

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष

प्रस्तुती - शाबाश इंडिया

धार्मिक, सामाजिक, मीडिया एवं अकादमिक की विशेष गतिविधियों से जुड़ीं ,राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय जैनधर्म प्रतिनिधि डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव एक ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने भाषा, लिपि, कला, साहित्य, लेखन, पत्रकारिता, समाजसेवा, शाकाहार प्रचारक आदि के क्षेत्र में बहुत कम उम्र में ही वो मुकाम हासिल कर लिया है कि आपके कार्यों को देश-विदेश में अनेक सम्मानों से नवाजा गया है। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित जैनदर्शन के प्रसिद्ध विद्वान प्रो. फूलचंद जैन प्रेमी (पिताजी)आदर्श महिला सम्मान से सम्मानित जैनदर्शन विदुषी एवं ब्राह्मी लिपि विशेषज्ञ डॉ. मुन्नीपुष्पा जैन (मां) एवं विविध विधाओं के अनेक गुरुओं के सान्निध्य में आपकी सम्पूर्ण शिक्षा एवं प्रतिभा का विकास जैनधर्म के चार तीर्थंकरों की जन्मस्थली,भगवान पार्श्वनाथ की नगरी बनारस में हुआ है। बनारस,माइक और मंच उनका बचपन से ही नाता रहा और आकाशवाणी, दूरदर्शन एवं अनेक प्रतिष्ठित मंचों पर उन्हें अपनी कला को निखारने का अवसर मिला। वे विवाह के पश्चात बनारस से दिल्ली आईं और जीवनसाथी श्री राकेश जैन के समर्पित सहयोग एवं प्रेरणा से निरंतर अपनी प्रतिभा का चहुंमुखी विकास कर रहीं हैं।

डॉ. इन्दु जैन ने विगत 25 वर्षों से कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों में आलेख वाचन, मंत्रालय एवं प्रतिष्ठित संस्थाओं के कार्यक्रमों का संचालन तथा संयोजन किया है। आपने कई विद्यालयों- विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, अल्पसंख्यक आयोग, मंत्रालय के कार्यक्रमों,महिला एवं युवा सम्मेलनों, संगोष्ठियों,कार्यशालाओं में अतिथि , मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि , अध्यक्ष आदि के रूप में प्रेरक वक्तव्य देकर अनेक लोगों को नई राह दिखाई है। आपने शाकाहार अभियान , स्वस्थ मन अभियान,राष्ट्र धर्म ध्वजा अभियान से अनेक लोगों को जोड़ा है।

भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री , मुख्यमंत्री , धर्म गुरुओं आदि कई विशिष्ट व्यक्तियों के सानिध्य में आपने सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं एवं विशेष कार्यक्रमों में, जैनधर्म के प्रतिनिधि के रूप में प्रतिभागिता की है एवं अपनी वाणी के प्रभाव से प्राकृत, संस्कृत, पाली, अपभ्रंश आदि प्राचीन भाषाओं के छंदों का सस्वर पाठ करके एवं हिन्दी भाषा के माध्यम से भारतीय एवं जैन संस्कृति को जन -जन के मन में बसाने का पावन कार्य किया है।

पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित अपने आलेख, नाटक,गीत,कविताओं आदि के माध्यम से डॉ. इन्दु जैन पाठकों से निरंतर संवाद स्थापित करने में सफल रहती हैं। आप सर्वप्राचीन ब्राह्मी लिपि के प्रचार-प्रसार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

आपकी अनेक उपलब्धियाँ हैं, जिनमें से मुख्य उपलब्धि यह है कि सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी से प्रकाशित आपकी पुस्तक 'शौरसेनी प्राकृत भाषा और साहित्य का इतिहास' पर साहित्य जगत में देश का प्रतिष्ठित 'महावीर पुरस्कार' प्राप्त हो चुका है । आप Faith Leader Honour , राष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान, जैन युवा सम्मान तथा राष्ट्र गौरव, नेशनल गौरव अवार्ड, अथाई गौरव सम्मान, आदर्श पत्रकार सम्मान, आदर्श महिला रत्न, नारी गौरव सम्मान, काशी गौरव सम्मान, अहिंसा इंटरनेशनल पुरस्कार ,श्रमण संस्कृति गौरव, मातृशक्ति सम्मान, इंटरनेशनल संकल्प अवार्ड, क्षुल्लक गणेश प्रसाद वर्णी स्मृति विद्वत परिषद पुरस्कार, ग्लोबल जैन सशक्त महिला पुरस्कार आदि कई सम्मानों से भी सम्मानित हो चुकी हैं। सिंगापुर तथा दुबई जैन समाज के लिए आप विशेष व्याख्यान दे चुकी हैं । आपके व्याख्यानों से प्रभावित होकर दुबई समाज की ओर से आपको ''विदुषी रत्न'' की उपाधि से सम्मानित किया गया है ।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं देश के सभी विशिष्टजनों के सान्निध्य में ''नवीन संसद भवन'' के भूमि पूजन एवं उद्घाटन के ऐतिहासिक समारोह के अंतर्गत आयोजित' सर्वधर्म प्रार्थना सभा' में जैनधर्म का प्रतिनिधित्व करते हुए आपने सर्वप्राचीन प्राकृत भाषा में गाथाएं एवं संस्कृत भाषा में महावीराष्टक एवं मंगलाष्टक का वाचन किया था, जिससे पूरे विश्व की जैन समाज गौरवान्वित हुई।

वर्तमान समाज में कम होते नैतिक और चारित्रिक मूल्यों की त्रासदी के मध्य डॉ. इन्दु अपनी ओजस्वी वाणी, प्रेरक वक्तव्य, मधुर कंठ और मनमोहक संचालन द्वारा समाज को मूल्यों के संरक्षण के लिए निरंतर प्रेरित कर रहीं हैं और प्राचीन भाषा प्राकृत, अपभ्रंश, संस्कृत की शास्त्रीय प्रस्तुति के माध्यम से प्राचीन भारतीय संस्कृति को पुनर्जीवित करने का भगीरथ यत्न कर रहीं हैं । विश्व शांति की स्थापना के उद्देश्य से अहिंसा, अनेकान्त, सद्भाव, करुणा, मैत्री, शाकाहार के प्रचार-प्रसार में, आप निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रहीं हैं। पूरे भारत वर्ष में आकाशवाणी में 22 भाषाओं में प्रसारित होने वाले , चुनाव आयोग के विशेष कार्यक्रम 'मतदाता जंग्शन' के कुछ एपिसोड लिखने का भी विशेष कार्य आपने किया है और निरंतर आलेख, कविता, नाटक, कहानी, डाक्यूमेंट्री आदि ऐसे ही कई विशेष कार्य कर रही हैं। वर्तमान में आप 'जिनधर्म रक्षक' की संस्थापिका, नेशनल मीडिया फाउण्डेशन' की राष्ट्रीय सचिव , भारतीय जैन विद्वत परिषद् की सम्मानित सदस्या,'जिन फाउण्डेशन' की सचिव , देश-विदेश में करीब 2500 से अधिक स्कूल और 60 से अधिक कॉलेज के विद्यार्थियों में अहिंसा, करुणा, मैत्री, शाकाहार, पर्यावरण संरक्षण का प्रचार-प्रसार करने वाली अंतर्राष्ट्रीय संस्था 'करुणा इंटरनेशनल' (चेन्नई) की संयोजक (दिल्ली), अथाई-आशा इंटरनेशनल की महासचिव,अखिल श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा की उपाध्यक्षा, 'अहिंसा प्रभावना पत्रिका' की मुख्य सम्पादिक, 'पागद भासा' की सलाहकार, 'प्राकृत टाइम्स इंटरनेशनल न्यूजलेटर की सह सम्पादिका एवं कई प्रतिष्ठित संस्थाओं में सम्मानित पदों में रहकर, निरंतर समाज सेवा और सकारात्मक सोच के साथ, समाज को आगे बढ़ने की प्रेरणा देने के कार्य में संलग्न हैं।

'जिनधर्म रक्षक' के माध्यम से डॉ. इन्दु एवं राकेश जी का उद्देश्य जैनधर्म के सभी परम्परा के बच्चों को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जैनधर्म के प्रतिनिधि के रूप में तैयार करना एवं बच्चों की प्रतिभा का चहुंमुखी विकास करना है। अभी तक जिनधर्म रक्षक की विभिन्न कार्यशालाओं में दो हजार से अधिक बच्चों ने जैनधर्म - दर्शन - संस्कृति की रक्षा का संकल्प लिया है।

ज्ञातव्य है कि डॉ. इन्दु निरंतर अपने यूट्यूब चैनल,सोशल मीडिया,प्रिंट मीडिया एवं कार्यशालाओं के माध्यम से भी जैन समाज को जैन संस्कृति , प्राकृत भाषा, ब्राह्मी लिपि, शाकाहार आदि के क्षेत्र में समर्पित होकर कार्य करने के लिए प्रेरित करती रहती हैं । उनका सपना है कि सभी गुरुओं के आशीर्वाद से वे पूरे विश्व के जैन बच्चों को एक परिवार की तरह जोड़कर जैन समाज की भावी पीढ़ी को जिनधर्म रक्षक के रूप में बचपन से ही तैयार कर दें ताकि बच्चे अभी से जैनधर्म-समाज-देश के लिए अपने कर्त्तव्य के प्रति जागरूक और समर्पित रहे।आज की युवा पीढ़ी के लिए रोल मॉडल बन चुकीं डॉ. इन्दु समाज में मूल्यों की स्थापना के लिए अहर्निश समर्पित रहती हैं।